राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 334

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 12 मई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

आइपीएल में इतिहास रचने उतरेगी धौनी की चेन्नई

>> 12

छठे चरण में आज दिल्ली के मतदाताओं की बारी

लोकतंत्र का महापर्व

- राजधानी की सात, हरियाणा की दस और उत्तर प्रदेश की 14 सीटों समेत देशभर के 59 निर्वाचन क्षेत्रों पर होगा मतदान
- भाजपा ने 2014 के चुनाव में इन सीटों में से 45 अपने नाम की थीं
- उत्तर प्रदेश के चुनाव पर लगी हैं सभी की निगाहें

नई दिल्ली, जेएनएन

लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान रविवार को होगा। उत्तर प्रदेश की 14, दिल्ली की सभी सात, हरियाणा की सभी 10 सीटों समेत मध्य प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की आठ-आठ और झारखंड की चार समेत सात राज्यों की 59 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। भाजपा के लिए यह चरण अहम है, क्योंकि 2014 में उसने इन 59 में से 45 सीटें जीती थीं। उत्तर प्रदेश में पार्टी ने 14 में से 13 सीटें जीती थीं। सिर्फ सपा संस्थापक मुलायम सिंह ही आजमगढ़ से जीत सके थे।

दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीट पर रविवार को मतदान के बाद 164 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो जाएगा। राजधानी में इस बार कुल 16 महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सभी बड़ी पार्टियों कांग्रेस, भाजपा और आप ने एक-एक महिला प्रत्याशी को खड़ा किया है। कुल निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या 43 हैं। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए जरूरत हो तो जिला निर्वाचन अधिकारी के यहां फोन करके गाड़ी भी मंगवा सकते हैं। दिव्यांगों के लिए रैंप की सुविधा होगी, व्हील चेयर रहेगी, मेडिकल किट होगी, कई जगह तो एंबुलेंस की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके अलावा ईवीएम पर ब्रेल सुविधा होगी, साइन लैंग्वेज के विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। निर्वाचन आयोग ने ये सभी इंतजाम अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने के लिए किए हैं।

हरियाणा में सभी दस सीटों पर 223 प्रत्याशियों का भाग्य रविवार को ईवीएम में बंद हो जाएगा। चुनाव में सीधे करीब डेढ़ दर्जन दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, भिवानी-महेंद्रगढ़, रोहतक, हिसार, सिरसा, अंबाला और सोनीपत के निवर्तमान सांसद फिर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चार पूर्व सांसदों के अलावा पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राज्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधायक कुलदीप शर्मा, पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव व निर्मल सिंह भी मैदान में हैं। उत्तर प्रदेश के 14 संसदीय क्षेत्रों में मतदान होगा। मतदान की अवधि सुबह सात से शाम छह बजे तक होगी। छठे चरण में सुलतानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संत कबीर नगर, लालगंज, आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर और भदोही संसदीय क्षेत्रों में चुनाव होगा। इस चरण में 2.57 करोड़ मतदाता इन 14 लोकसभा सीटों के 177 प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य तय करेंगे। 2014 के लोकसभा चुनाव में इन सीटों पर 54.53 प्रतिशत मतदान हुआ था।

एक और दौर अभी बाकी : लोकसभा चुनाव सात चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं। इस चुनाव का आखिरी दौर 19 मई को होगा। इसके बाद 23 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत अब आखिरी दौर के मतदान के लिए झोंक रखी है।

इन सीटों पर रहेगी नजर

छठे चरण में जिन सीटों पर लोगों की नजर रहेगी, उनमें राधा मोहन सिंह (मोतिहारी), मेनका गांधी (सुल्तानपुर), डॉ. हर्षवर्धन (चांदनी चौक), गौतम गंभीर (पूर्वी दिल्ली), अखिलेश यादव (आजमगढ़), डॉ. रीता बहुगुणा जोशी और दिग्विजय सिंह व साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर (भोपाल) के बीच मुकाबला मुख्य आकर्षण होगा।

महासमर 2019

- अंतिम चरण में चुनाव का दौर, लेकिन पिक्चर अभी बाकी है ● पेज 4
- पौने दो करोड़ मतदाता तय करेंगे हरियाणा का भविष्य ● पेज 4
- सर्जिकल स्ट्राइक होने पर पाक के साथ रोए राहुल : शाह ● पेज 6
- तो सनी को नहीं लड़ाते : धर्मेंद्र ● पेज 6

राजधानी में 164 प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर

- **1,43,27,458** है दिल्ली में कुल मतदाताओं की संख्या
- **2,54,723** युवा पहली बार करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग
- **78,73,022** है पुरुष वोटरों की संख्या
- **64,42,762** महिला मतदाता हैं
- **40,532** दिव्यांग, **22,005** सर्विस वोटर हैं राजधानी में
- **669** थर्ड जेंडर वोटर मताधिकार का प्रयोग करेंगे
- **2700** स्थलों पर **13819** मतदान केंद्र बनाए गए हैं
- **13,819** मतदान केंद्रों पर **1,44,207** कर्मियों की चुनाव में लगी है ड्यूटी

लोकतंत्र का धर्म निभाने के लिए... गुरुग्राम के सेक्टर-14 स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में वोटिंग मशीन लेकर निर्धारित बूथ की ओर रवाना होतीं मतदान कर्मी। संजय गुलाटी

रविवार विशेष

200 साल पुराना है डल झील पर तैरता डाकखाना

श्रीनगर : डल झील में एक आम सा नजर आने वाला हाउसबोट बहुत खास है। यह

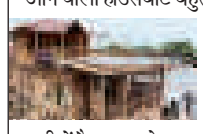

हिंदुस्तान का पहला और एकमात्र ऐसा डाकघर है जो पानी में है। यह अनोखा डाकघर श्रीनगर आने वाले हर किसी को आकर्षित कर रहा है। कहा जा रहा है कि यह डाकघर करीब दो सौ साल पुराना है। (पेज-14)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

मिशन शक्ति से अंतरिक्ष में फैला अधिकांश कचरा नष्ट

नई दिल्ली : भारत द्वारा 27 मार्च को किए गए ऐतिहासिक मिशन शक्ति परीक्षण से पैदा हुआ अंतरिक्ष में अधिकांश मलबा अब तक नष्ट हो चुका है। यह बात रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी ने यहां कही।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 11

आइटीसी के चेयरमैन वाईसी देवेश्वर का निधन

कोलकाता : जाने-माने उद्योगपति व आइटीसी समूह के चेयरमैन योगेश चंदर (वाईसी) देवेश्वर का शनिवार सुबह निधन हो गया। 72 वर्षीय देवेश्वर लंबे समय से बीमार थे। हरियाणा के गुरुग्राम में एक निजी अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

ईरान के खिलाफ अमेरिका ने तैनात कीं पैट्रियट मिसाइलें

वाशिंगटन : ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने किसी खतरे से निपटने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पेंटागन ने कहा है कि अमेरिकी बलों के खिलाफ ईरान के खतरे से निपटने के लिए पश्चिम एशिया में अब एक और युद्धपोत के साथ पैट्रियट मिसाइलों को तैनात किया जा रहा है।

बढ़ी चिंता ▶ ध्वस्त होता आतंकी संगठन भारत में अपनी जड़ें जमाने की कोशिश में

आइएस का दावा, कश्मीर में बना अड्डा

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

इराक और सीरिया समेत मध्य पूर्व से उखड़ने के बाद दुनिया भर में अपने पैर नए सिरे से जमाने की कोशिश में जुटे खतरनाक आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने अब कश्मीर को अपना नया 'प्रांत' घोषित कर दिया है। आइएस का यह दावा एक ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर स्थित शोपियां में इस आतंकी संगठन से प्रभावित अंतिम आतंकी इशाक अहमद सोफी को मार गिराया है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही कश्मीर में आइएस के बढ़ते प्रभाव से चिंतित हैं, लेकिन उसके इस नए दावे को लेकर भारतीय एजेंसियां फिलहाल बहुत गंभीरता नहीं दिखा रही हैं।

विलायत-ए-हिंद का मतलब आइएस का एक क्षेत्र अथवा उसके सरगना अबू बकर अल बगदादी के ऑपरेशन खुरासान के तहत एक प्रांत पर कब्जा है। अबू बगदादी ने अपनी नापाक मंशा को पूरा करने के लिए ईरान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किरगिस्तान, अफगानिस्तान, भारत, श्रीलंका, नेपाल और चीन के आधे हिस्से को शामिल करने के लिए अपनी गतिविधियों को खुरासान ऑपरेशन का नाम दे रखा है। कश्मीर में सक्रिय आइएसजेके नामक आतंकी संगठन (जिसे जुंदुल खलीफा भी कहते हैं) आइएस का एक हिस्सा है। वहीं, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि श्रीलंका में हिंसा को अंजाम देने के बाद यह आतंकी संगठन कश्मीर के जरिए अब अंतरराष्ट्रीय मीडिया में स्थान पाने के लिए ऐसे बयान दे रहा है। वह सनसनी फैलाने के लिए ऐसा दावा कर रहा है।

शनिवार को दोपहर बाद इंटरनेट और सोशल साइट्स पर आइएस की गतिविधियों पर नजर रखने वाले अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने कश्मीर को लेकर उसके दावे को सार्वजनिक किया। यह दावा आइएस की सूचना देने वाली अमाक न्यूज एजेंसी ने किया है। साथ ही माओता न्यूज एजेंसी और निदा-ए-हक नाम की एक उर्दू एजेंसी ने भी यही सूचना दी है। इन दोनों को भी आइएस से जुड़ा हुआ बताया जाता है। कुछ विशेषज्ञों ने यह बताया कि एक अन्य सोशल साइट टेलीग्राम के जरिए आइएस के चैट समूहों में भी इसकी जानकारी दी गई है। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब आइएस की तरफ से कश्मीर में अपनी पैठ बनाने का दावा किया गया हो। तकरीबन तीन वर्ष पहले ही उसने इस्लामिक स्टेट इन जम्मू व कश्मीर (आइएसजेके) बनाने का दावा किया था। वर्ष 2017 में जब भारतीय सुरक्षा बलों ने आइएस के तीन आतंकियों को एक साथ मार गिराया था तब उनके पास आइएसजेके के बैनर व कुछ कागजात मिले थे। उसके बाद से ही भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में आइएस की धमकी को गंभीरता से लेना शुरू किया।

सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से इस बारे में कुछ नहीं बोला गया है, लेकिन एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि आइएस के बचे-खुचे आतंकवादियों की मंशा कश्मीर में नए आतंकियों को खड़ा करने की भी हो सकती है। साथ ही वे वैश्विक स्तर पर यह भी दिखाना चाहते हैं कि आइएस अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। श्रीलंका में आइएस से प्रभावित कुछ आतंकियों ने जिस तरह से नरसंहार किया उसका भी फायदा उठाने की कोशिश इसके बचे-खुचे आतंकियों ने की है। श्रीलंका में 21 अप्रैल, 2019 को किए गए हमले के बाद आइएस के अबू बकर अल बगदादी का वीडियो भी सामने आया था जिसमें उसने इसका श्रेय लिया था। सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से आइएस के नए दावे को बहुत गंभीरता से नहीं लिए जाने के बावजूद इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पिछले कुछ वर्षों से यह संगठन कश्मीर में अपनी पहुंच लगातार बढ़ाने की कोशिश में है। शुक्रवार को शोपियां में मारे गए आतंके जनाजे में भी आइएस के कई झंडे दिखाई दिए। यही नहीं श्रीलंका नरसंहार की जांच करने वाले वहां के अधिकारियों ने यहां तक दावा किया है कि इसकी साजिश रचने वाले आतंकी ने कश्मीर की यात्रा की थी। 2017 में आइएस का अंतिम गढ़ मोसुल (इराक) में ध्वस्त कर दिया गया था। वहां से आइएस के हजारों आतंकियों को मार गिराया गया था, जबकि कुछ आतंकी बाहर भी भागने में सफल रहे थे।

(संबंधित खबर पेज-10 पर)

आतंक का जाल

- घाटी स्थित शोपियां की हाल की घटनाओं को मिशन का हिस्सा बताया
- मामला गृह मंत्रालय के संज्ञान में, प्रवक्ता ने नहीं की कोई टिप्पणी
- घाटी में आइएस के अंतिम आतंकी के मारे जाने के बाद किया दावा

पहली बार अवकाश पीठ का नेतृत्व करेंगे मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट में हुए एक चौंकाने वाले बदलाव के तहत इस साल 25 मई से 30 मई तक अवकाश पीठ का नेतृत्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई करेंगे। इसका मुख्य कारण है कि लोकसभा चुनाव 2019 के परिणाम 23 मई को आने वाले हैं। ऐसे में सरकार गठन के दौरान किसी भी प्रकार का विवाद आने पर उसका निपटारा आसानी से हो सके। ध्यान रहे इस फैसले के अगले दिन रविवार को ही छठे चरण का मतदान है। सातवें और अंतिम चरण की वोटिंग 19 मई को होगी।

सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ हर साल ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान लगती है, लेकिन मुख्य न्यायाधीश कभी इसकी अध्यक्षता नहीं करते। ऐसा पहली बार हो रहा है जब देश के चीफ जस्टिस (सीजेआइ) इस खंडपीठ की अध्यक्षता करेंगे। दरअसल इससे पहले जस्टिस जेएस खेहर ने वर्ष 2017 के ग्रीष्मावकाश में अवकाश पीठ के अलावा पहली बार तीन संविधान पीठ का गठन कर उसका नेतृत्व किया था, लेकिन दो जजों की अवकाश पीठ में वह शामिल नहीं थे। हालांकि उससे पहले वर्ष 2015 में काम का बोझ कम करने के लिए वह अवकाश बेंच में शामिल हुए थे। पर तब वह सीजेआइ नहीं थे। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी हुई अधिसूचना के अनुसार चीफ जस्टिस रंजन गोगोई और जस्टिस एमआर शाह इस वैकेशन बेंच का हिस्सा होंगे जो 25 मई से 30 मई तक ही लगेगी। इस दौरान तत्काल आए अति आवश्यक मामले और सामान्य मामलों की सुनवाई होगी। अधिसूचना के अनुसार डिविजन बेंच 13 मई से 20 मई तक काम करेगी जिसमें जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस संजीव खन्ना होंगे। 21 मई से 24 मई तक जस्टिस अरुण मिश्रा और जस्टिस एमआर शाह इसका हिस्सा होंगे। सुप्रीम कोर्ट में 13 मई से 30 जून तक अवकाश रहेगा।

23 मई को लोकसभा चुनाव नतीजे आने के संदर्भ में अहम है यह कदम

पिछले साल हुआ था कर्नाटक विधानसभा विवाद : पिछले साल मई में सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक विधानसभा का विवाद पहुंचा था जब वहां पर कोई भी पार्टी बहुमत में नहीं आई थी। राज्यपाल ने भाजपा को सरकार बनाने का न्योता दिया था। इसके खिलाफ कांग्रेस और जदएस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले को जस्टिस एके सीकरी, एसए बोबडे और अशोक भूषण की खंडपीठ ने सुना था और फ्लोर टेस्ट का आदेश देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येद्दयुरप्पा को 15 दिन में बहुमत सिद्ध करने का समय दिया था।

बालाकोट एयर स्ट्राइक में था राजनीतिक जोखिम : मोदी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बालाकोट एयर स्ट्राइक एक राजनीतिक जोखिम था जिसको लेकर कई आशंकाएं भी थीं। जिस रात (25-26 फरवरी) बालाकोट में जैश-ए-मुहम्मद के शिविरों पर एयर स्ट्राइक की गई थी, मौसम बहुत खराब था। एयर स्ट्राइक टालने पर भी विचार हुआ, लेकिन बाद में खराब मौसम का फायदा उठाने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का पूरा श्रेय सेना को जाता है, न कि मुझे। इसने देश की सैन्य ताकत को प्रदर्शित किया।

एक चैनल को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैंने रात को नौ बजे समीक्षा की थी, उसके बाद रात को 12 बजे समीक्षा की। हमारे सामने समस्या थी कि उस समय मौसम खराब हो गया था। यह बात मैं पहली बार बोल रहा हूं। अचानक एक सुझाव मिला कि तारीख बदल दें क्या? मैंने कहा कि इस मौसम में हम रडार से बच सकते हैं। डेढ़ बजे हमने मूवमेंट शुरू किया। हम तीन-चार दिन से पाकिस्तान के किसी और स्थान के बारे में चर्चा चला रहे थे। हमारे एक सेट जहाज वहां गए भी थे, जिससे पाक उस जगह को लेकर फोकस हो गया। दूसरी ओर नौसेना ने मूवमेंट बढ़ा दी थी, जिससे पाक को लगा कि कराची पर हमला होने वाला है। इससे पाकिस्तान कंफ्यूज हो गया और 3.20 बजे हमारा ऑपरेशन पूरा हो गया।' विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा, पाकिस्तान को सख्त लहजे में बता दिया गया था कि अगर भारतीय पायलट को कुछ भी नुकसान हुआ तो स्थितियां बेकाबू हो जाएंगी।

खराब मौसम के कारण तारीख बदलने पर हुआ था विचार

राजग के साथियों ने मोदी को रोकने के दिए संदेश : राहुल

- कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा-सेक्युलर ताकतों की जीत तय, हम नई सरकार बनाएंगे
- राजनीतिक लड़ाई में अपने परिवार पर पीएम के हमलों से परेशान नहीं

संजय मिश्र, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार का दावा करते हुए कहा है कि राजग के कई साथी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दूसरी बार सत्ता में आने से रोकने के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। उनके अनुसार जनता का मूड और राजग के साथी दलों के संदेश से स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनने नहीं जा रहे। राहुल ने यह भी कहा है कि सेक्युलर ताकतों की जीत तय है और कांग्रेस विपक्षी दलों के साथ मिलकर नई सरकार बनाएगी।

राहुल गांधी ने **दैनिक जागरण** से विशेष इंटरव्यू में लोकसभा चुनाव को लेकर यह बात कही। उन्होंने कहा, 'विपक्ष एकजुट है और भाजपा के सहयोगी दल अंदर ही अंदर हमें मैसेज दे रहे हैं कि वे नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री नहीं बनाने वाले।' उन्होंने कहा कि भाजपा की हार का संकेत इसी से मिलता है कि प्रधानमंत्री मोदी अतीत की बात कर रहे हैं और हम मुद्दों पर चुनाव जीत रहे हैं। चुनाव मुद्दों पर लड़ा जाता है और रोजगार, किसानों की हालत, अर्थव्यस्था की बर्बादी जैसी मोदी सरकार की असफलताएं जनता के सामने हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री के अतीत की बात करने की वजह जनता समझ रही है। राहुल ने कहा कि जो बीते हुए समय में जी रहा है वह इतिहास ही है। भविष्य तो हो नहीं सकता।

कांग्रेस के दूसरे विपक्षी दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने के आंकड़ों के गणित पर राहुल गांधी ने कहा कि 23 मई को जब जनता यानी देश के मालिक अपना फैसला बता देंगे, उसके बाद सरकार कैसे बनेगी, यह सबको पता चल जाएगा। इसलिए अभी सरकार बनाने के स्वरूप को उजागर नहीं करेंगे, पर यह निश्चित रूप से कहेंगे कि भाजपा की सरकार नहीं बनने जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह दावा करने से भी गुरेज नहीं किया कि चुनाव नतीजों के साथ ही भारत की राजनीति में नरेंद्र मोदी का दौर खत्म हो जाएगा। अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर प्रधानमंत्री मोदी के हमलों पर राहुल गांधी ने कहा कि वे इससे परेशान नहीं हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी राजनीतिक लड़ाई देश के संविधान को बचाने की लड़ाई है, क्योंकि आजादी के बाद पहली बार किसी संगठन ने देश की संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश की है। उनके मुताबिक मोदी और आरएसएस संस्थाओं पर आक्रमण कर उन्हें अपने नियंत्रण में लाना चाहते हैं। पहली बार सुप्रीम कोर्ट के चार जजों का जनता के सामने आकर काम नहीं करने की बात कहना संस्थाओं पर दबाव का उदाहरण है।

कांग्रेस अध्यक्ष का विस्तृत साक्षात्कार >> पेज 5

बढ़ी ताकत

अपाचे में जिस तरह दुश्मन के इलाके में घुसकर मारने की क्षमता है उससे एयर फोर्स के हेलीकॉप्टर विंग की ताकत में बड़ा इजाफा होना तय है। अमेरिकी सेना दुर्गम इलाकों में हमला करने के लिए इसका इस्तेमाल करती है

अमेरिका ने सौंपा भारतीय वायुसेना को पहला अपाचे हेलीकॉप्टर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना को मशहूर अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर मिलना शुरू हो गया है। इस हेलीकॉप्टर के वायुसेना में शामिल होने से भारत की दुश्मन के घर में घुसकर मार करने की क्षमता और ज्यादा बढ़ गई है। अपाचे हेलीकॉप्टर को भारतीय वायुसेना की भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है और यह पर्वतीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण क्षमता प्रदान करेगा। अपाचे को अमेरिकी कंपनी बोइंग ने इस तरह डिजाइन किया है कि यह दुश्मन की किलेबंदी को भेदकर उस पर सटीक हमला करने में सक्षम है। यह पहला ऐसा हेलीकॉप्टर है जो विशुद्ध रूप से हमला करने का काम करेगा। इसे पाक और चीन की सीमाओं पर तैनात किया जाएगा।

जानकार मानते हैं कि अपाचे युद्ध के समय गेम चेंजर साबित हो सकता है। खासतौर पर इससे गुलाम कश्मीर में आतंकी ठिकानों को असानी से तबाह किया जा सकेगा। अमेरिका ने अपने इस अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर को पनामा से लेकर अफगानिस्तान और इराक तक में दुश्मनों से लोहा लेने में इस्तेमाल किया है। इजरायल भी लेबनान और गाजा पट्टी में अपने सैन्य ऑपरेशन में इसी अटैक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करता रहा है।

22 अपाचे हेलीकॉप्टर खरीदेगा भारत : भारतीय वायुसेना के प्रवक्ता ग्रुप कैप्टन अनुपम बनर्जी ने कहा, 'पहला एएच-64ई (आई) अपाचे गार्जियन हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना को एरिजोना स्थित बोइंग के उत्पादन प्रतिष्ठान में औपचारिक रूप से सौंपा गया।' उनके अनुसार अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर एक अग्रणी बहुउद्देश्यीय लड़ाकू हेलीकॉप्टर है और इसे अमेरिकी सेना इस्तेमाल करती है। सरकार ने सितंबर 2015 में 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए अमेरिका सरकार और बोइंग लिमिटेड के साथ अरबों डॉलर के सौदे पर दस्तखत किए थे। इनकी पहली खेप इस साल जुलाई तक भारत भेजे जाने की उम्मीद है।

इजरायल, मिस्र और नीदरलैंड के पास है अपाचे : भारतीय सेना रूस निर्मित एमआइ-35 का इस्तेमाल वर्षों से करती रही है, लेकिन यह अब रिटायरमेंट के कगार पर है। अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर को अमेरिकी सेना के एडवांस अटैक हेलीकॉप्टर प्रोग्राम के लिए बनाया गया था। अमेरिका के अलावा इजरायल, मिस्र और नीदरलैंड की सेनाएं भी इस अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करती हैं।

असर के मामले में दुनिया का सबसे घातक हेलीकॉप्टर है अपाचे पेज>>10

तेज गति से रात में भी मार करने में आगे

अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर दो जनरल इलेक्ट्रिक टी-700 टर्बोशाफ्ट इंजन से लैस है और आगे की तरफ एक सेंसर फिट है जिसकी वजह से यह रात के अंधेरे में भी उड़ान भर सकता है। यह 365 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरता है। इतनी तेज गति होने की वजह से यह दुश्मन के इलाके में घुसकर उसके परखच्चे आसानी से उड़ा सकता है।

अपाचे गार्जियन लड़ाकू हेलीकॉप्टर एच-64 से वायुसेना और अधिक सशक्त हो जाएगी। प्रेट्र

और कई खूबियों से लैस है अपाचे

अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर में हेलीफायर और स्टिंगर मिसाइलें लगी हैं और दोनों तरफ 30एमएम की दो बंदूकें हैं। इन मिसाइलों का पेलोड इतने तीव्र विस्फोटकों से भरा होता है कि दुश्मन का बच निकलना नामुमकिन होता है। इस हेलीकॉप्टर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह युद्ध क्षेत्र की हर परिस्थिति में टिका रह सकता है। अपाचे हेलीकॉप्टर का सबसे क्रांतिकारी फीचर है इसका हेल्मेट माउंटेड डिस्प्ले, इंटिग्रेटेड हेलमेट और डिस्प्ले साइटिंग सिस्टम, जिसकी मदद से पायलट हेलीकॉप्टर में लगी ऑटोमैटिक एम 230 चेन गन से अपने दुश्मन पर टारगेट कर सकता है।

आइएएस अफसर को महंगा पड़ा आइपीएल के पास मांगना

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) से इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) मैच के कांप्लीमेंट्री पास मांगने पर नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में संयुक्त सचिव गोपाल कृष्ण गुप्ता की प्रतिनियुक्ति अवधि घटाकर उन्हें वापस उनके मूल कैडर रेल मंत्रालय में भेज दिया गया है।

कैबिनेट की नियुक्तियों संबंधी समिति ने तत्काल प्रभाव से उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि समयपूर्व खत्म करने को मंजूरी प्रदान कर दी। हालांकि कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में इसका कोई कारण नहीं बताया गया है। गोपाल कृष्ण गुप्ता 1987 बैच के रेलवे सेवा के अधिकारी हैं। मार्च में उन्होंने डीडीसीए अध्यक्ष रजत शर्मा के कार्यालय से आइपीएल मैच के पास मांगे थे। डीडीसीए से जवाब नहीं मिलने पर तीन अप्रैल को गोपाल कृष्ण गुप्ता ने रजत शर्मा को एक पत्र लिखा और पूरा घटनाक्रम बताया। इसमें उन्होंने रजत शर्मा की कार्यकारी सहायक के साथ फोन पर हुई वार्ता का ब्योरा भी दिया।